

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ

(11)

णिमीभदगल्लठगवट्टैरभः॥ णिमीः
 णिमीठैरवुवाम॥ णिठगवत्तैरभः
 उड्डुल्लभउड्डुविमदालः मगुं
 भवलेकेममगल्लगउवड्डल कपं
 मयभवंप्रितिलेकेमविट्टुड्डल
 क॥ भविकेठैरवेमावउड्डेगमिड्डा
 दभि॥ णिमीठैरवउवाम॥ णियाठैवी
 विक्कलपल्लीठगवट्टैभगीसुगीभा
 ॥ ५ भएवुवतिट्टुंमंदविट्टुड्डाभमी॥
 ॥ णिमीः उड्डुगभभदमूलवट्टाप्रदवपावति॥
 गल्लभः सुवामंडुड्डुलेकेड्डापमविट्टुग
 मरभा॥ परभाऊप्रुंपुं पग्गैसुद
 करलभा॥ भवागभरदभुंमुंभक

लुकाधमीपवभा॥मभसुमेकमभ
ने भदपाउकगमवभा॥मचभत्र
भयंरिष्टं गल्लीराभभयभूकभा॥
विमृष्टमीभदगल्लीठगवउराभ
भयभूमीवृद्धपिः॥गायंरु
रुः॥मीरुउमृगीगल्लीमेवडा॥
हीवीए॥भामजिः॥कीकीलकं॥
मीठेगापवजभिसूउगल्लीभ
रुभभदभभुवगएपाठदिये
गः॥विमृष्टपुं॥विउरुदिमृव
रुंमउरुसंगअनेरुभलंसु
मिभिउभा॥पद्रुमजिवरु
ठयादिउंरुमोहमिठएभिठ

वारीभा ॥ ५ ॥ डिष्टानं ॥ विहोयीरुंभद
 गल्लीलंभीपादुममादगी ॥ विविष्ट
 पगठगवडीविठठभुभाभुडी ॥
 निद्रिकठीभरुपासुठीभाठनउप
 श्रिरी ॥ भारीयाभदेमामभरेए
 मभरेए ॥ एवः ॥ भारएभइविष्ट
 मभदविष्टधइदगी ॥ ध ॥ इष्ट
 डिक्कएमइयीवइइयीमिवः ॥ ३
 मिवाकगविष्टपासुममिप
 वडाभिरी ॥ भदलकीभदेरभुम
 देएभुभदेरयः ॥ भाउलीभेरु
 कदगभसिगदललेमरः ॥ ४
 सीमीलविमाला ॥ म ॥ अणकलम
 ठविली ॥ पडिरीपडिरीपडाप
 रुकिष्टनुरेदिष्टिड ॥ रु ॥ रुमव

॥ विमीः

गदुमः

॥ ७ ॥

पाठः ०

विडीमाल

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

वृद्धी रगयली मेवी के भारी सा
 परगलिङ्ग ॥ मङ्गली मम सी मङ्गली
 वागदीवी रघु रगी ॥ गर भिंदी के
 रवे सी के रवा कर कु पि ॥ राग ॥ ग
 रङ्ग र मेठ मृ रग यल्ले पदीति
 गी ॥ राग कङ्क के सुग राग
 पर भुंनुगी ॥ भुंनुगी प्यातिगी
 प्रउ प्रउ रा सुभु मेठ पि ॥ रियाय
 डी कगी दट्ट मृ किरी सा किनी
 लया ॥ ली लव डी र भा किल रा
 ग कट्ट भदे र दग ॥ दग कङ्क
 मेठ मृ भम र रु सुठ डगी ॥ ३
 द भिरी भम भगी र ॥ भम भेदि ॥ भुंभी
 गी ॥ भदे र व पु मी वा डु वा भा माग पि

रुकी की मृ

पिंम्रीः

गङ्गमः

७

यासिग^०॥ अणभयी वेणकगवे
 गदवगभुगरी॥ वाभभष्टिउक
 भावाभनेइममीप्रक॥ मद्रममद्र
 गीभीउगवेमिमिलेसग॥ भमि
 गवामलीवेणगतिहूमामिवाभि
 नुकी॥ वदी॥ वावामलीप्रतिवाएय
 एवभिनी॥ वाकीवीगभचमृई
 भिनीभेदिनीमभु॥ भद्रगदुमद्र
 भामवगठयकगउली॥ पठेनद्र
 भवलीमवाएकवद्रकेसगी॥ उधु
 मरुचिद्रकेडीवडीगभलः॥
 भियः॥ गिदिलीवडीगभगभ
 उमेमदिली॥ उमेनुभागभा
 भागभारिलीउगिलीउदिउ॥

गीतगोविन्द भगवत्पाद उरलि
 प्रकः ॥ गङ्गाकन्यापारकः गङ्गा
 लङ्कागङ्गापि ॥ दक्षिणगङ्गा
 भागममरवग्गम् ॥ वेदुभावि
 गभाभालभालठर ॥ दुषितः भ
 जी लकी भल्लिक भेस भेसक दग्गलु
 ठः ॥ वल्लुठभग्गभाया कमीक
 द्दिललतिक ॥ द्दभतिक द्दभतीम
 द्दभतीमवभतिक ॥ द्दभाकेभा
 द्दगीदभाकेभवक्क ॥ द्दाली सुगी ॥
 द्दालमद्दालमभीगभीगपाभम
 भञ्जित ॥ द्द्रीड द्द्रीड उपाङ्ग
 कभिनी याउल सुगी ॥ द्दञ्जरी
 एउपगद्दुक्क ॥ द्दाली द्दभञ्जरी ॥ १३

॥
 सिमीः
 गल्लभः

२ ॥

[illegible]

93

二

गीर्भा^{मो ५} ए^{५२} भ्रू^{५३} भ्रू^{५४} गी^{५५} यक्षिणी
 यक्षलेक^{५६} मी^{५७} न^{५८} वा^{५९} द^{६०} न^{६१} प्र^{६२} ए^{६३} इ^{६४} य
 द्वा^{६५} म^{६६} उ^{६७} य^{६८} ये^{६९} म^{७०} य^{७१} द^{७२} न^{७३} य^{७४} क^{७५} भ्रू^{७६} गी
 ग^{७७} व^{७८} उ^{७९} प^{८०} त^{८१} ग^{८२} व^{८३} भ^{८४} ग^{८५} न^{८६} गी^{८७} उ^{८८} म^{८९}
 वः^{९०} गी^{९१} व^{९२} उ^{९३} य^{९४} न^{९५} ग^{९६} ग^{९७} उ^{९८} गी^{९९} व^{१००}
 भ्रू^{१०१} गी^{१०२} भ्रू^{१०३} गी^{१०४} क^{१०५} गी^{१०६} ल^{१०७} ए^{१०८} म^{१०९} य^{११०} की
 रा^{१११} म्भिय^{११२} व^{११३} भ्रू^{११४} म^{११५} य^{११६} वा^{११७} द^{११८} न^{११९} भ^{१२०} उ^{१२१} म्भ
 न^{१२२} य^{१२३} भ्रू^{१२४} उ^{१२५} न^{१२६} ग^{१२७} द^{१२८} भ्रू^{१२९} गी^{१३०} र^{१३१} द^{१३२} क^{१३३} क^{१३४} क^{१३५}
 मी^{१३६} र^{१३७} द^{१३८} क^{१३९} य^{१४०} क^{१४१} भ्रू^{१४२} गी^{१४३} कि^{१४४} व^{१४५} गी^{१४६} क^{१४७}
 भ्रू^{१४८} क^{१४९} मी^{१५०} क^{१५१} ल^{१५२} क^{१५३} द^{१५४} भ्रू^{१५५} म^{१५६} किं
 भा^{१५७} पी^{१५८} द^{१५९} य^{१६०} व^{१६१} क^{१६२} म^{१६३} कै^{१६४} ल^{१६५} कि^{१६६} व^{१६७} भ्रू^{१६८}
 गी^{१६९} पि^{१७०} मा^{१७१} मी^{१७२} ग^{१७३} ए^{१७४} भा^{१७५} उ^{१७६} म्भ^{१७७} उ^{१७८} म्भि^{१७९} म्भ
 प^{१८०} म्भ^{१८१} भ्रू^{१८२} म्भ^{१८३} भ्रू^{१८४} पि^{१८५} मा^{१८६} मि^{१८७} नी^{१८८} म^{१८९} उ^{१९०}
 पि^{१९१} मा^{१९२} म^{१९३} कु^{१९४} ल^{१९५} भ्रू^{१९६} गी^{१९७} गु^{१९८} ह^{१९९} भ्रू^{२००} गी^{२०१} गु^{२०२} ह^{२०३}
 क^{२०४} भ्रू^{२०५} गी^{२०६} भ्रू^{२०७} गी^{२०८} भ्रू^{२०९} गी^{२१०} भ्रू^{२११} गी^{२१२} भ्रू^{२१३} गी^{२१४}

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मम उक्तं
लि० ३००० भगवत्कर्मफलकामिनी ॥ भ

लयासलभाभुदिभादिउत्रया
३ उ० ॥ दिभादिउदिमैमभाउक्ति
ककेमलेसुगी ॥ ककेकनिगठकु

ठमुगुठसुलठिमेठितः ॥ उत्र

एउत्रकुभामरा ॥ म'पठगुविदिः ॥ ११

प्रमी ॥ प्रभूवागदी प्रभूकेमान

७११ ॥ मरुलमीगडिमुले नरि ॥ ३

भूमगगीयभा ॥ भदरभाभदक

गभगभगठयङ्गी ॥ मरुकुपाम

दलेडिगिदङ्गाभगभडी ॥ मृभमृ

भभापीमात्रामात्रिभत्रापदगिलि ॥

गोत ॥ मेभयेगुरुः मेभगीमुक्तमु ॥ ११

८

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

८ नमो भगवते वासुदेवाय

२०
 नभानवतिरी॥ भद्रभयीभनमुषिः
 कभणउभराउरी॥ अक्रउपाकल अक्रउभापा
 वहीउलउलमियाभियु॥ भुषिक
 मेभिकणया॥ इतउपाके साक
 पा०: मोमभिरिभुणरेवीभानकदिभभ
 त्रिडः॥ भद्रकिरीमयभराविश
 सापद्रमनयी॥ गण्डिहैरावडी २३
 मिभ्राविउभामभराभुडी॥ गिबामे
 बावडीमेकुभडीभागरवाभिरि ॥ २७
 रेवकीरेवभाउमरेवीमिरेवभ
 रुगी॥ रेहृषीरुभगीरुडमिडि
 मिडिएभरुगी॥ यदलीयदली
 विहृणरुमविहृमीविहृणरण
 भरुगी॥ भराणमिडलेपामम
 इरीमडिलेडमा॥ उचमीभेदि
 ५०

॥
 विम्रीः
 गलुभ-
 ॥

रेहृषीरुभगी
 मरेहृमिडि
 डिएभरुमी

गी० भू० ^{४०} ~~प्र~~ भू० भू० गी० यक्षिणी
 यक्षलेके मी० न० वा० द० प्र० ए० इ०
 द० म० उ० य० य० म० य० द० य० क० भू० गी०
 ग० न० च० उ० प० उ० ग० न० भू० ग० न० गी० उ० म०
 रः० ^{४१} गी० न० च० उ० य० न० म० ग० उ० न० च०
 भू० गी० भू० न० गी० क० गी० ल० ए० म० य० ^{४२} की
 रा० मि० य० र० प्र० म० म० य० वा० द० न० भू० उ० धी०
 न० य० भू० उ० न० ग० द० मी० र० द० क० उ० क० क०
 मी० म० र० द० रा० य० क० भू० गी० कि० न० गी० क०
 च० क० भू० म० क० ल० क० उ० भू० म० किं
 भा० पी० द० य० व० न० म० कै० ल० कि० न० भू०
 मी० ^{४३} पि० मा० मी० रा० ए० भा० उ० झी० उ० मि० धू०
 प० म० भू० मि० भू० म० पि० मा० मि० नी० मा० झी०
 पि० मा० म० कु० ल० भू० गी० ^{४४} गु० ह० च० गी० गु० ह०
 क० पा० गु० वी० गु० ह० क० भू० गी० मि० धू०

॥ रुभिद्विवप्रभिद्विमाभिद्विभरुगी ॥
 छउप्रगीछउलयाछउणरीठया
 पद ॥ छउमीडिदगीठवृछउएछ
 उभरुगी ॥ ५॥ श्रीपाजिवलेकेमी५
 छविद्वःमभत्रिउ ॥ वभरुगवभ
 वरुपाविबीछमिभरुगी ॥ मभ्रि
 उतयालपाएलएकीएलेप्रगी ॥
 मभ्रिउमभ्रिभ्रि ॥ एलभाएलमी
 भरुगी ॥ छएभिगीभदेणरीउए
 श्रीभदविभ्रुग ॥ भदकविभ्रुग
 एः उएकुपकभरुगी ॥ वायव
 दुवायभापीदुयलेकेकभरुगी ॥
 तिमरमीगगनभ्रुछउपावि
 गरुति ॥ विगठभीठभरीभादु
 उिगकमभरुगी ॥ दिउिभ्रिउ

॥
 ॥ तिन्नीः
 ॥ गुरुभः
 ॥ १

गनतु किउरु, हूँ कभरुगी ॥ च
 वियागगुमेठवदलमीवगय
 ठ ॥ भामदभा ॥ पेमनामवदल
 मुरभरुगी ॥ मरिलेकममिष्टेति
 पद्मिलगतिभिः ॥ शुभपुत्रम
 भेयुमेरुवहृरुपिल्ली ॥ पद्म
 वदगतिडाडीरुपिल्लीवाउरुपि
 ल्ली ॥ ममिडुपावामिपावाउव
 नलभविठः ॥ देउरुविहृमदेमि
 सैयि एवाफभरुगी ॥ भेयुमेरु
 भकलभिमपावपमयल्ल ॥ भेयु
 वरुभिडुपमिमभुमिभरुगी ॥
 भदपुठभदभापीभदए ॥ भदभरु
 मी याएरुकी ॥ यल्लविहृठगमिमी
 की

विमीः
गुरुभ-
३

कइवंमकयइगी^{१६७}॥^{१६७}परीगए
 कटारभापुनमुणगिल्ली॥^{१६७}ननवी
 ठनवधामएभमगिचुरपुम॥^{१६७}कु
 ठगणगिल्लीगदीसभयूकभरुगी॥^{१६७}
 भंडलकलभइसुरकंडलवि
 मिरी॥^{१६७}गभप्रियासमइभीमइ
 ठउउधर॥^{१६७}लवइभउगगइ
 लावइभउगगउरी॥^{१६७}लिदिउभु
 पुमउगभउगभउगभ॥^{१६७}भरुगी॥^{१६७}
 पुकेमाठपुभापीयामवाउकगील
 यः॥^{१६७}यमिगलजिउभइगणमी
 कपुभरुगी॥^{१६७}वुपुपुभउगभवीलि
 गभानपगय॥^{१६७}लिउउगलिउल
 मुलिपुभइवलिउडिया॥^{१६७}लिउवंमण
 जेकेगुपीलकुचुभरुगी॥^{१६७}वकुम
 के॥^{१६७}कलीकिलादलरीउउवाडभरीवरीक
 लिप्रियाकधुणकलिकलैकभरुगी॥^{१६७}

ॐ नमः सुखं भूषणम् ॥

सुप्रसन्न

金山

॥ श्रीः

गङ्गा -

33

मडठरुमुडिणगपिडुलेडुगुमि
 नी॥भपुअदरकेयुमभुगगवम
 कुलः॥भेरगमभेरभापी॥गाय
 शीवेरुवलुठा॥वलुकुभुगगुम
 रमविशुगगीउटी॥भिरुउपासुये
 णिःविमुमुभुपिल्ली॥मउउगुगे
 खेमीभदठेरववलुठाः॥कलुठेर
 वरुमुमुकलुउगुगुगुकी॥भुल
 यानलपुभुठा॥येनिभएतडलयः॥
 छमगीपेमगीभुगुगवभुगुविल
 णिभिरी॥वियेविगीमुमगभुमुमग
 गुरउपिडः॥ठभुगुगुगुगुगुगुगुगु
 नवभागुवाभिरी॥ठडुकलीविमु
 कली॥मीकलीभेपुवाभिरी॥गीरक
 लीकलगुगिः॥कलीकभेपुकलिक॥७१

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

वमीमीकामीकिउप्रलिङ्ग भाण
कौमैभिङ्गणशीभवकभेदवचिनी ॥०॥

भाणकमयङ्गुसभाणकेसुदल
भूमभाणकेसुयङ्गुतिमगलेवडी

गणभीमगएकीमगएधल ॥४॥

धप्रियाधवडीधयङ्गुधमलि
कसुयङ्गुधगवाहृपीलभुध

वध्यातिनीपाइदडाभउपीशीपीउ
मापीउङ्गपि ॥ पिङ्गरापिङ्गके

मीपिङ्गलापिङ्गलेसुगीभङ्गल

भङ्गलेमारीभवभङ्गलभङ्गलः ॥

पङ्गववसुगीधामणगमापणाय

कापिङ्गणशीपिङ्गभयीपिङ्गलेक

पिकाभिनीदिङ्गभीहृदकरभाभ

करभाभापावडीभापीमैठवडी

भ

भट्ट

विभीः

गणभ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यीमभित्तिरीरिगयरीरिगयं॥

ममभुभापमभाग वगुनिपेव

प्रम॥ बलकीवीरपावभा॥

शीवभुप्रिया॥ मुकीममुकदभुम

ममभुगकउक॥ ममभुगुनि ३

लयाठगठपाठगमुगी॥ ठगरिभु

ठगरुठगलिठगमुपि॥

ठगलिठगुगीमीर ठगलिठगु

॥ व॥ कीरमराकीरममिगए

पापपाय॥ मपुपापपापु

पीवगभापमभाः॥ लिपिलिभ

॥ मिमीः सपटेलमापाएलकल्लिमरः॥ की

गुलुम॥ गभुणिप्रियाकभुभगलाभगलाय

०९ ॥ मभुभयभुभा॥ मभुभुति

मभुभुकेसुगी॥ कटकरपापासु

कंठ उरु निवाभिनी ॥ कंठ उरु

उरुः कंठ उरु निवाभिनी ॥ कंठ

उरुः कंठ उरु निवाभिनी ॥ कंठ

मम भुगुरु रापा म के रावी म उ

दुः ॥ म उ चे म प्रिया मा सु मि उ च ॥ ६

जल लक्ष्मी ॥ वृद्ध लक्ष्मी ॥ ७

ति वृद्ध लक्ष्मी वृद्ध भं यु उः ॥ भद्र क

गि लक्ष्मी भुति कल उ कल ॥ ८

कल वल्लभ लक्ष्मी म कल धाम प

वाभिनी ॥ कल लक्ष्मी म भद्र विष्ट विष्ट

गल्ली भापा सुयः ॥ छति गल्ली वि ॥ तिक गल्ली

सु गल्ली सु गल्ली लक्ष्मी सुयः ॥ ९

लक्ष्मी वि गल्ली वं म गल्ली वी गल्ली

गल्ली प्रियः ॥ भद्र गल्ली उ भे गल्ली

गल्ली मल मल ॥ व भ गल्ली भद्र

३३
 लीउं गल्ली एपुयः ॥ भवुग
 लीउं गल्ली वेम गल्ली मुडिपि
 यः ॥ वरगल्ली भवुगल्ली सेव
 लीम याय क ॥ कलगल्ली पुएग
 लीउं गल्ली दरः मयः ॥ गएग
 लीगलगल्ली गुलगल्ली गुलु
 वी यः ॥ ३४ गल्ली पवेगल्ली वायु
 गल्ली भमलभः ॥ भगगल्ली भग
 गल्ली ठीभगल्ली ठयेल्लिउं ॥ ३५
 गल्ली एयगल्ली भदगल्ली कुल
 लतिः ॥ वाभगल्ली वेम गल्ली द ५५
 रिगल्ली दलमुगी ॥ ३६ गल्ली ५
 मयगल्ली कुउगल्ली मवभनः ॥ ३७
 वदगल्ली पुउगल्ली मपगल्ली म
 भय ॥ ३८ क मगल्ली गलेमीग
 एगल्ली रतिपियः ॥

॥ त्रिमीः
 गल्लभ
 ०३

पाउलगाणी कुगाणी पुमगाणी मः सः
 विष्णोपदने भिदु गगाणी विरुगाणी हेलि
 दिठमयी गगाणी मः सः ॥ भिरेगाणी भउगाणी मुदे
 गगाणी मकमपी ॥ भुनिगाणी भउगाणी सु ३३३
 गगाणी भलिभिठ ॥ भिचुगाणी रमोगगाणी ३३
 गगाणी मरुभिउः ॥ चिउगाणी रमग ३३
 गगाणी विदुगाणी भउसुगी ॥ पुउगाणी शु
 गगाणी लयागाणी भउसुगी ॥ रंमागगाणी ३३
 गगाणी मी ॥ भउगगाणी भउसुगी ॥ वकिग
 गगाणी येगगाणी यलुगाणी मिठ दउ ३३
 गगाणी पुउगाणी ॥ वगगाणी विमुउपि
 ॥ ॥ भउमम दउगाणी ॥ भिउउसुगी
 सुगि ॥ ००० ॥ भिउमभउभुमचभग
 गगाणी रभभदभकं ॥ यः पठउउरुइय
 उउभाभउपियभा ॥ भचउउभयं भउं

॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥

॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥ भउगाणी ॥

गणत्रयधृक्केलिकः

उप्रसूकलाकृष्टकृष्टयुष्टवे॥
मदधराभपांष्ट कलंयजुतिपेडमी
भा॥ भवभित्तिगंभाष्टंमगल्लीरभमद
भूकभा॥ भइगठपठदृष्टगष्टकभीष्ट
श्रुति॥ वदंभकंमडावउंभदमीरुभा
जाल॥ सक्तिप्रसपरिगइभलठइष्ट
भीश्रुति॥ ममानुलठइष्टंभादाउ
मूर्वलपमभा॥ रइवारइयंमविपठ
त्रभमदभूकं॥ भदुविभुगनिविभुःकी
गपारगष्टलः॥ भप्रतिंभीभर्भभीव
उमदुविपष्टि॥ कीगमष्टलभदुष्ट
कीगपारगभाष्टलः॥ यपेठइग्याठ
हृगल्लीरभमदभूकभा॥ भभइष्ट
मृउभगभदपाउकएठया॥ यः५
ठदुष्टकेठहाभलठइष्टिभउभं॥

प्रादयगष्टिभुगुठमक्तिंभीभर्भभीव
भैष्टंउवचकभीभीलठठं

उप्रसूकलाकृष्टकृष्टयुष्टवे॥
मदधराभपांष्ट कलंयजुतिपेडमी
भा॥ भवभित्तिगंभाष्टंमगल्लीरभमद
भूकभा॥ भइगठपठदृष्टगष्टकभीष्ट
श्रुति॥ वदंभकंमडावउंभदमीरुभा
जाल॥ सक्तिप्रसपरिगइभलठइष्ट
भीश्रुति॥ ममानुलठइष्टंभादाउ
मूर्वलपमभा॥ रइवारइयंमविपठ
त्रभमदभूकं॥ भदुविभुगनिविभुःकी
गपारगष्टलः॥ भप्रतिंभीभर्भभीव
उमदुविपष्टि॥ कीगमष्टलभदुष्ट
कीगपारगभाष्टलः॥ यपेठइग्याठ
हृगल्लीरभमदभूकभा॥ भभइष्ट
मृउभगभदपाउकएठया॥ यः५
ठदुष्टकेठहाभलठइष्टिभउभं॥

प्रादयगष्टिभुगुठमक्तिंभीभर्भभीव

मभक्तमभक्तु उचं नमीयं यभक्तभु
 मिता ॥^३ मभुमिष्टाय कभुय कलगाय
 कभुय ॥^३ गुरुकृति विदीनाय भभुमि
 कभुयम ॥^३ मयं मिष्टाय माताय कभु
 यकैगडायम ॥^३ मीहिडाय भमिष्टाय
 गल्लीकृतिगडायम ॥^३ मंभभभभु
 उगल्ली मिक्कनउक्तिः ॥^३ मभुउकल
 ठंगेष्टंगे पनीयेष्टयउः ॥^३ ॥ ॥ ॥
 विडिमीरुदयाभलउउठैगवीठै
 वभेवागल्लीभभभभुभभुलः ॥ ॥ ॥

सिमीभदगल्लुठगवट्टमः॥ सिमीठ
 वउवम॥ सिमिपुनकषयष्टाभिगल्ली
 कवमभुडभमा॥ इलेरुविलयीगभ
 मिहंठेगापवजममा॥ ०॥ भुलभउभयं
 भापुमभुभिद्विपुमयकं॥ भवेसुदभं
 लेकेभचागभविनिस्त्रिउभा॥ ३॥ ५०॥
 सुगल्लुठपिभदपाउकमममभा॥ भदे
 मउपुमभनंभुलविहभनेदमभा॥ ३॥
 विहपादःमिवेमेविविहपादयले
 नली॥ इहपिउभदेलेकेविहपाद
 मयकः॥ २॥ भदिमपिभुषाभुदभु
 कमिपउममी॥ गडकगल्लुलपिः
 मेपमभनउंगउः॥ ५॥ मीगल्लुकव
 मभुभुपगल्लुठम॥ वरुनेकुन
 किंमेवि कवमभुभुपगल्लुठ॥ १॥

द्वेवि

सिमीः
 गल्लुकं
 ०॥

भद्रैष्टपत्रं याति गङ्गा परमव्याप्यया ॥
 तपिरभुभदमेवि । बुद्धकर्मः भगीपिं नि
 ॥ गायत्रीमेवत गङ्गा भायाची एभुमह
 उभा ॥ मः मक्तिः कीलकं मकभगलः
 भुगुति ॥ ठिगापवनमिहृ ऊ विविपेग
 उतिभुतः ॥ सिमुभुमीभदगङ्गावती
 भक्कवमभु ॥ गृहीपिः ॥ बुद्धकर्मः म
 यशीमेवत ॥ भायाची ॥ मः मक्तिः ॥
 कभगलः कीलकं ॥ ठिगापवनमिहृ ॥ मीभद
 ऊ विविपेगः ॥ ॥ उति ॥ सुषशुमी ॥ गङ्गा
 सिगङ्गादीपरिगत कडगडं पांडवलं ॥ गृही
 मणं ॥ लङ्कागृहलगाभदमीभष्टव
 मीमणं ॥ सुगृहैजल गलपडिठी
 भगलं मणं ॥ कृष्टुष्टुः भयभक
 लैराभमुगठिणं ॥ ॥ उति ॥ सि
 मिलक्रीडमिरः पांडुलीललं भगुडी ॥

श्रीगालापाउमंरुं हं पाउमूतीभम॥०
 वंरुंनोपाउमंरुं लीभुंपाउमंरुं
 माभिक॥भिकंरुंवापगीपाउंरुंरुंपाउ
 भमिपा॥गंरुंपाउमंरुंलीवेचकुंरुं
 पगवउ॥पउमंपाउमंरुंरुंरुंपाउंभम
 वउ॥रुंरुंपाउमंरुंरुंरुंरुंपाउवेरुं
 वी॥रुंरुंपाउमंरुंरुंरुंरुंरुंरुंरुं
 लिउ॥भंरुंभगीपाउरुंरुंरुंरुंरुं
 रिक॥भुंरुंरुंरुंरुंरुंरुंरुंरुं
 रभिक॥विभुंरुंरुंरुंरुंरुंरुं
 भवलिउं॥उरुंरुंपाउमंरुंरुंरुं
 रुंभयीपग॥विभुंरुंरुंरुंरुं
 लरुंरुंरुंरुंरुंरुंरुंरुं
 रैरुंरुंरुंरुंरुंरुंरुंरुं
 रुंरुंरुंरुंरुंरुंरुंरुं

सिंश्रीः
 गल्लकं
 ०१

उपाडुमेपंनमभल^२॥ बुद्धी
 वदभरुतेचुदिरुमेवेरुवीमभ
 रुद्धलीपाडुमभरुभायेपाडुपग
 लिङ^१॥ निमारेपाडुकेभागीनिमोप
 मलिकवड निमातुपाडुकागदी
 भचारुगारभिरिक^१॥ अभिरुद्रः
 कितुपाडुपयभेरुमठेरुवः॥ मल
 भोपवनारुडुकेपमःपाडुभागला^१॥ १०
 उरुडुमेमडःपाडुछीपलःभुदेउवड॥
 याएकस्रकपालेमेवमःभंदरुके
 वरुडा^१॥ मरुभभरुडापाडुवभवभ
 मलंभम॥ गुरवःपाडुभचइमिगी
 मःपाडुभचडः॥ कडइयंपाडुनिटं
 एगमेपंभरुवड॥ श्रीमरुंपाडुछी
 डिहृदेगिहंपाडुभचरु॥ रुंमच
 भुवापाडुरुवेगभेसुरःमिवःभ

५०: मद्रैवभग।
मुठि: ।

五

८
विमीः
गङ्गा
०३

१०

कयादिउः^{३१} ॥ गभेकल्ले लिपि इमर
 के भुतः भदे सुवि ॥ सी १३ त्रुठि गृ^{३२}
 कंला रुया वेसिउं उषा^{३१} ॥ भवत्तु गृदि
 कत्रुः भं प्रणये इत्रु गणवडा ॥ यु
 टिके धं भद विहृ गणी भुति विवाप
 ग^{३१} भुल विहृ भयी देविके दि^{३१}
गनामिनी ॥ भुवा रुभाण गीले केय
 षाठी पूढल प्रमं ॥ गुटिके यं मुठ
 गृहृ नये या य भु क भूमिडा^{३१} ॥ ६०
 कवमभी मानि भुल विहृ भयं प्र
 वं ॥ भगभुतं प्रमं लकी प्रभु विव
 चनं^{३१} ॥ चयु भुगं भुिकं गं श्री कं गय
 मभुगभ ॥ मउध भु मिउत्रां भार
 भारु य वलिउभा^{३१} ॥ ममायेयः ५०
 अये भद सी १३ भेउ सुगः ॥ भभा ७

१ ॥ भविनी भुल प्रमं ॥ भिगुण रम देविके दि भुठ गल यिनी ॥ भुठ गणव विहृ उत्रु दि भुिग ग सिनी ॥ १०

भव

कैमदमविगल्लीपुत्रैरुविष्टि ॥
 यमि संभमभुं डैले कविण्याठिपं
 कवमं भत्र गळंडुगे पनी यंभुयेनि
 वडा ३१ ॥ ५३ मिददुयाभलेउत्रे
 ममविष्टारदभुं गल्ली कवमं भद
 रदभुं मभुलं ॥ ॥ नमं यंयष्टकभुमि ॥ ॥